(a) whether it is a fact that since the appointment of industrialists in the management of two airlines, the efficiency and professionalism have several decline;

(b) whether Government have now decided to remove the industrialists from the management of the two airlines; and

(c) if so, by when a decision is likely to be taken and what others steps Government propose to take to improve the efficiency and professionalism of these two airlines?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE AND THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI MOTI LAL VORA): (a) No, Sir.

(b) Government have not taken any such decision.

(c) The life of the present Boards of Air India and Indian Airlines is up to June, 1988, when the Boards will be reconstituted. As regards improvement in efficiency and prfessionalism, it is the constant endeavour of Government to bring about improvement in the working of the Airlines through several measures like better uilisation of aircraft efficient ground landing courteous inflight service greater co-ordination between the airlines, etc.

नवोदय विद्यालयों के लिये शिक्षकों का चयन

330. **श्री सोहन लाल धूसिया :**
श्री वीरेन्द्र वर्मा :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नवोदय विद्यालयों के लिए शिक्षकों के चयन का मानदंड क्या है ;

(ख) क्या उपर्युक्त विद्यालयों के लिए शिक्षकों के चयन हेतु साक्षात्कार देश में एक ही स्थान पर किये जाते हैं या प्रत्येक जोन में शिक्षकों के चयन हेतु अलग-अलग नीति को अपनाया जाता है ;

(ग) चयन बोर्ड में कितने व्यक्ति होते हैं जो नवोदय विद्यालयों के लिए शिक्षकों का चयन करता है ; और

(घ) क्या सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि शिक्षकों के चयन के समय बोर्ड में एक ही जाति के दो व्यक्ति न हो ताकि पक्षपात न हो पाये ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० शाही) : (क) और (ख) फिलहाल नवोदय विद्यालयों में शिक्षक केवल प्रतिनियुक्त के आधार पर नियुक्त किये जाते हैं। केन्द्रीय/राज्यसरकारों/संघ शासित प्रदेशों के प्रशासन/स्वायत्त निकायों तथा राज्य सरकार/निजी संस्थाओं द्वारा मान्यता प्राप्त/सहायता प्राप्त शैक्षिक संस्थाओं न्यूनतम तीन वर्षों की नियमित और सतत सेवा वाले तथा प्रतिनियुक्ति पर आसानी से छोड़े जा सकने वाले उम्मीदवार ही इसके पात्र हैं। चंडीगढ़, लखनऊ, भोपाल, पुणे, हैदराबाद और शिलांग स्थित प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय में गठित प्रवरण समिति द्वारा आयोजित साक्षात्कारों के आधार पर शिक्षकों का चयन किया जाता है। प्रत्येक जोन में शिक्षकों के चयन के लिए अपनायी गयी नीति समान होती है।

(ग) प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय के संबंध में प्रवरण बोर्ड में व्यक्तियों की संख्या निर्धारित नहीं होती लेकिन इसका कोरम तीन है।

(घ) प्रवरण समितियां जाति के आधार पर नहीं अपितु संबद्ध क्षेत्रों में सदस्यों की सुविज्ञता और अनुभव को ध्यान में रख कर गठित की जाती है।